सैनिकों-आश्रितों को मिलेगी हर संभव मदद

विजय दिवस पर मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने गांधी पार्क स्थित शहीद स्मारक पर अर्पित किया पुष्पचक्र

गांधी पार्क स्थित शहीद स्मारक परिसर में उपस्थित सम्मानित होने वाले पूर्व सैनिक और वीर नारियां। शहीदों को सलामी देते मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत, मेयर सुनील उनियाल गामा, विधायक खजान दास, राज्य व जिला सैनिक अधिकारी।

शहीद स्मारक में एनसीसी कैडेट्स ने भी शहीदों को दी श्रद्धांजलि।

माई सिटी रिपोर्टर

देहरादून। विजय दिवस पर मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र रावत ने वर्ष 1971 में हुए भारत-पाकिस्तान युद्ध में भाग लेने वाले जाबांजों के साथ ही वीर नारियों और पूर्व सैनिकों को सम्मानित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री स्थानीय गांधी पार्क स्थित शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि दी।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 1971 के भारत–पाक युद्ध में भारत की तीनों सेनाओं के सामंजस्य से ही पाकिस्तान के 93 हजार से अधिक सैनिकों ने 13 दिन में ही घुटने टेक दिए थे। इस युद्ध में वीरभूमि उत्तराखंड के ढाई सौ वीर जवानों ने अपने प्राणों की आहुति दी थी। जबकि 78 सैनिक घायल हुए थे।

राज्य के 74 रणबांकुरों को वीरता पदक से भी नवाजा गया था। उन्होंने कहा कि प्रदेश को देवभूमि के साथ ही वीर भूमि यूं ही नहीं कहा जाता। यहां प्रत्येक परिवार से एक व्यक्ति सीमा की सुरक्षा में लगा हुआ है। आजादी से पूर्व हो या आजादी के बाद हर युद्ध में राज्य के जवानों की अहम भूमिका रही है। यही वजह कि अब तक एक परमवीर चक्र, छह अशोक चक्र, 100 वीर चक्र व 1262 अन्य वीरता पदक उत्तराखंड के हिस्से में आए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का प्रयास है कि सैनिकों व उनके आश्रितों को हर संभव मदद दी जाय। राज्य सरकार ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के आश्रितों की मासिक पेंशन चार हजार से बढ़कर आठ हजार रुपये की है। राज्य देश का पहला राज्य बन गया है जहां किसी अभियान में शहादत देने वाले सेना और अर्द्धसेना जवानों को उनकी योग्यता के अनुरूप राज्याधीन सेवाओं में नियुक्ति दी जा रही है। सैनिक परिवारों को हाउस टैक्स में पूरी छूट देने के साथ ही 25 लाख तक की संपत्ति पर स्टांप ड्यूटी में 25 प्रतिशत की छूट दी गई है। लैंसडौन कैंट के लिए पेयजल के समाधान के लिए 33 करोड़ की धनराशि स्वीकृत कर पानी पहुंचाया गया है।

वर्ष 1971 के भारत-पाक युद्ध के जाबांजों के साथ ही वीर नारियों व पूर्व सैनिकों को किया सम्मानित

रानीखेत में भी रेजीमेंटल सेंटर में पेयजल के लिए स्वीकृति दी जा रही है। शहीद सैनिकों के बच्चों को कक्षा एक से आठवीं कक्षा तक छह हजार और नौवीं कक्षा से पोस्ट ग्रेजुएशन तक 10 हजार रुपये छात्रवृत्ति भी दी जा रही है। इस अवसर पर सीएम ने पूर्व सैनिकों व वीर नारियों को स्मृति चिह्न व वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया।

मौके पर मेयर सुनील उनियाल गामा, विधायक खजानदास, अपर मुख्य सचिव सैनिक कल्याण राधा रतूड़ी, नौ सेना के वाइस एडमिरल एचसीएस बिष्ट, निदेशक सैनिक कल्याण ब्रिगेडियर केबी चंद, जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल डीके कौशिक, मकानी देवी भंडारी समेत सेना व सिविल के अधिकारियों, पूर्व सैनिकों व उनके पारिवारिक सदस्यों ने भी शहीद स्मारक पर पुष्प चक्र अर्पित कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी।

पूर्व सैनिकों ने चीड़बाग वॉर मेमोरियल पर शहीदों को श्रद्धांजलि दी

देहरादून। प्रेमनगर, केहरी गांव व आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले पूर्व सैनिकों व उनके पारिवारिक सदस्यों ने विजय दिवस के अवसर पर सोमवार को गढ़ी कैंट-चीड़बाग में बन रहे वार मेमोरियल पर पुष्प अर्पित कर वर्ष 1971 के शहीदों को श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर वार मेमोरियल का निर्माण पूरा नहीं होने पर नाराजगी जताई गई। बता दें, दो साल बाद भी वार मेमोरियल का निर्माण कार्य अधूरा है। इस मौके पर रिटायर सूबेदार मेजर तीरथ सिंह रावत, सूबेदार मेजर एमपीएस राठौर, सरिता राणा, सीमा रावत, सुशीला नेगी आदि मौजूद रहे।

'बहादुरी का दूसरा नाम भारतीय सैनिक'

देहरादून। नेताजी संघर्ष समिति की बैठक में विजय दिवस के उपलक्ष्य में शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। सोमवार को कांवली रोड स्थित संगठन कार्यालय में आयोजित बैठक में उपाध्यक्ष प्रभात डंडरियाल ने भारत-पाकिस्तान युद्ध पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारतीय सैनिक बहादुरी का दूसरा नाम हैं। इस दौरान महासचिव आरिफ वारसी, अरविंद गुप्ता, प्रवीन शर्मा, प्रदीप कुकरेती, सुशील विरमान, नवनीत गुसाईं, विपुल नौटियाल आदि मौजूद रहे।

सेना की वीरगाथा को उक्रांद ने किया सलाम

देहरादून। उत्तराखंड क्रांति दल (उक्रांद) के कार्यकर्ताओं ने भी विजय दिवस के अवसर पर शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि देकर उनकी वीरता को याद किया। दल के केंद्रीय प्रवक्ता सुनील ध्यानी ने कहा कि आज का दिन भारतीय सेना केनाम पूरा भारतवर्ष विजय दिवस के रूप मे मनाता है। विजय दिवस पर यूकेडी भारतीय सेना की वीरगाथा को सलाम करता है। इस दौरान अरविंद गुप्ता, आरिफ वारसी, प्रवीण शर्मा, प्रभात डंडरियाल, प्रदीप कुकरेती, सुशील विरमानी, नवनीत गुसाईं, विपुल नौटियाल आदि मौजूद रहे।

1957

बात मई 1957 म
गेहूं की फसल पक
बारिश के साथ इतने
दिनों तक घरों की
और गेहूं की फसलें
पेड़ों में पंछी तक
लीची के बाग पू
मौसम ऐसा हो गय
अहस
-कृष्ण ला

मैशअप

उत्तराखंडी अ
वीडियो भी द
और रविंद्र क
संख्या में लो
बिष्ट ने सं
8500 से आ
से अधिक ल
एंड राजस्थान

शायरी

मोहब्बत दो
लोगों के बीच
का नशा है,
जिसे पहले होश
आ जाए वो
बेवफा है।

Scanned by CamScanner

एक नजर में

निर्भया कांड की बरसी पर संगोष्ठी

देहरादून: निर्भया कांड की बरसी पर उत्तराखंड महिला मंच की ओर से सोमवार को संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें समाज, सरकार और पुलिस और न्याय व्यवस्था को लेकर चर्चा की गई। जिसमें सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 17-18 दिसंबर को उक्त विषय को लेकर केंद्रित गोष्ठी होगी। 19 दिसंबर को मंच के स्थापना दिवस पर काकोरी कांड के सौहार्द व नागरिकता बिल के विरोध में गांधी पार्क में विशाल धरने का आयोजन किया जाएगा। गोष्ठी में निर्मला बिष्ट, इंदिरा नेगी, प्रीति थपलियाल, सरोज क्षुत्रू, सीमा नेगी, संतोष पांडे, विजय नैथानी, सुनीता रावत, सरोजनी कनौती मौजूद रहीं। (जासं)

सहस्त्रधारा में शूट हुई गढ़वाली फिल्म फ्यूंली

देहरादून: मनोज वर्मा होम एंटरटेनमेंट प्रोडक्शन की तीसरी गढ़वाली फिल्म 'फ्यूंली' की शूटिंग सोमवार को सहस्त्रधारा रोड स्थित आलीशान बंगले में शुरू हुई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उत्तराखंड फिल्म चैम्बर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष डॉ. आरके वर्मा मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार लोकतंत्र के चार स्तंभ है। उसी प्रकार फिल्म उद्योग के भी चार स्तंभ हैं। निर्माण, वितरण, प्रदर्शन और लैब। इनके अभाव में फिल्म का निर्माण असंभव है। इस मौके पर निर्देशक मनीष वर्मा, नायिका अनामिका, अंजू रावत, रमेश नौड़ियाल, शोभना रावत, स्वामी के बंसी लाल, संजीव वर्मा, छायाकार विनय वानना, स्नेह वर्मा, सुभाष जौली, नीतू वर्मा, जयदेव भट्टाचार्य, अंजलि मौजूद रहीं। (जासं)

सैनिकों का जितना सम्मान करें उतना कम : मुख्यमंत्री

विजय दिवस पर मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने दी शहीदों को श्रद्धांजलि, पूर्व सैनिकों व वीर नारियों को किया गया सम्मानित

जागरण संवाददाता, देहरादून: विजय दिवस पर मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने गांधी पार्क स्थित शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने पूर्व सैनिकों व वीर नारियों को सम्मानित भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का प्रयास है कि सैनिकों व उनके आश्रितों को हर संभव मदद दी जाए।

गांधी पार्क में पूर्व सैनिकों, वीर नारियों व उनके परिजनों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 1971 के भारत-पाक युद्ध में भारत की तीनों सेनाओं के आपसी सामंजस्य से पाकिस्तान के 90 हजार से अधिक सैनिकों को 13 दिन के युद्ध के बाद घुटने टेकने को विवश कर दिया था। उन्होंने कहा कि देश की आजादी से पहले व बाद में हुए हर युद्ध में उत्तराखंडी वीरों की अहम भूमिका रही है। देश की एकता, अखंडता व सरहदों की रक्षा के लिए सैनिकों ने अपना सर्वस्व न्यौछावर किया है। यही वजह कि अब तक एक परमवीर चक्र, छह अशोक चक्र, 100 वीर चक्र व 1262 अन्य वीरता पदक उत्तराखंड के हिस्से में आए हैं। रावत ने कहा कि राष्ट्रवाद और पर्यावरण के प्रति प्रदेश के वाशिंदे काफी जागरूक हैं। उत्तराखंड के लोगों की रगों में देशभक्ति है। उन्होंने कहा कि सैनिक परिवारों के लिए जितना भी किया जाए कम है। इस अवसर पर सीएम ने पूर्व सैनिकों व वीर नारियों को स्मृति चिह्न व शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। महापौर सुनील उनियाल गामा, राजपुर रोड विधायक खजानदास, सचिव सैनिक कल्याण राधा रतूड़ी, रिटायर्ड वाइस एडमिरल एचसीएस बिष्ट, निदेशक सैनिक कल्याण ब्रिगेडियर केबी चंद, उपनल के एमडी ब्रिगेडियर पीपीएस पाहवा, जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल डीके कौशिक समेत कई लोगों ने शहीद स्मारक पर पुष्प चक्र अर्पित कर शहीद जवानों को श्रद्धांजलि दी।

राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर दी श्रद्धांजलि : विजय दिवस पर मसूरी विधायक गणेश जोशी ने नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि 1971 के भारत-पाक युद्ध में 567 वीर सपूतों ने अपनी जान देश के लिए न्यौछावर की, जिसमें लगभग आधे जवान वीरभूमि उत्तराखंड से थे। विधायक ने कहा कि वह समाज हमेशा तरक्की करता है जो अपने शहीदों की यादों को आने वाली पीढ़ियों के लिए संजोता है।

सैन्य पराक्रम को किया सलाम: उत्तराखंड क्रांति दल (उक्रांद) कार्यकर्ताओं ने भी विजय दिवस पर शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। दल के केंद्रीय प्रवक्ता सुनील ध्यानी ने कहा कि आज का दिन स्वर्ण अक्षरों में अंकित है। वर्ष 1971 में पाकिस्तान के साथ हुए युद्ध के बाद इसी दिन बांग्लादेश का जन्म हुआ था। उधर, नेताजी संघर्ष समिति से जुड़े कार्यकर्ताओं ने भी वर्ष 1971 के भारत-पाक युद्ध में शहीद हुए सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। श्रद्धांजलि देने वालों में अरविंद गुप्ता, आरिफ वारसी, प्रवीण वर्मा, प्रभात डंडरियाल, प्रदीप कुकरेती, सुशील विरमानी, नवनीत गुसाईं, विपुल नौटियाल आदि शामिल रहे।

विजय दिवस के अवसर पर शहीद स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित करते मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत • जागरण

चीड़बाग वॉर मेमोरियल भी पहुंचे पूर्व सैनिक

प्रेमनगर, केहरी गांव व आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले पूर्व सैनिकों व उनके परिवार के लोगों ने विजय दिवस पर गढ़ी कैंट-चीड़बाग में बन रहे वॉर मेमोरियल पर पुष्प अर्पित कर वर्ष 1971 के शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। वॉर मेमोरियल का निर्माण पूरा नहीं होने पर उन्होंने नाराजगी जताते हुए कहा कि दो साल से अधिक का समय बीत जाने के बाद भी वॉर मेमोरियल का निर्माण कार्य अधूरा है। उन्होंने केंद्र सरकार व रक्षा मंत्रालय से मांग की है कि यह कार्य जल्द पूरा कराया जाए। श्रद्धांजलि देने वालों में रिटायर सुबेदार मेजर तीरथ सिंह रावत, सुबेदार मेजर एमपीएस राठौर, सरिता राणा, सीमा रावत, सुशीला नेगी आदि मौजूद रहे।

नाटक के माध्यम से दी पुलवामा हमले के शहीदों को श्रद्धांजलि

देहरादून: बेनियन ट्री स्कूल के स्थापना दिवस समारोह पर साल भर में विभिन्न गतिविधियों में अव्वल रहे छात्र- छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। नगर निगम सभागार में आयोजित समारोह में नन्हे-मुन्ने बच्चों ने आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी। वहीं छात्रों ने पुलवामा हमले के शहीदों को नाटक के माध्यम से श्रद्धांजलि दी। शहीदों के प्रति बच्चों की संवदेना देखकर हर किसी की आंखे नम हो गई। इससे पूर्व वार्षिकोत्सव का उद्घाटन महापौर सुनील उनियाल गामा और राज्य मंत्री अजीत सिंह रावत ने किया। प्रधानाध्यापक दर्शन कुमार ने स्कूल की सालाना रिपोर्ट पेश की। इस अवसर पर निदेशक प्रतीक कुमार शोभा उनियाल, किशोर भट्ट आदि उपस्थित थे।

विजय दिवस के अवसर पर शहीद स्मारक पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित शहीदों के परिजन • जागरण

विजय दिवस के अवसर पर शहीद स्मारक पर सलामी देते सेना जवान • जागरण

गांधी पार्क में आयोजित विजय दिवस समारोह में पहुंचे मुख्यमंत्री, पूर्व सैनिकों के लिए चलाई जा रही योजनाएं गिनाईं

सैनिकों को जितना भी सम्मान दें, कम है : त्रिवेंद्र

देहरादून | कार्यालय संवाददाता

विजय दिवस पर मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने सैन्य छवि की उत्तराखंड की देश में अलग पहचान की सराहना की। उन्होंने सैनिकों का मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि इन्हें जितना सम्मान दिया जाए वह कम है। सीएम ने राज्य सरकार की ओर से पूर्व सैनकों के चल रही योजनाएं भी गिनाईं।

1971 में पाक से युद्ध पर विजय मिलने पर 16 दिसंबर को विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस युद्ध के बाद पाक से अलग होकर बांग्लादेश का निर्माण हुआ था। युद्ध में उत्तराखंड से 248 सपूत शहीद हुए थे। 78 वीर जवान घायल हो गए थे। गांधी पार्क में हुए समारोह में मुख्यमंत्री ने शहीदों को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद कहा कि देश की एकता और अखंडता के लिए जितने युद्ध लड़ गए उसमें उत्तराखंड आगे रहा। [illegible] निवासियों के देशभक्ति और पर्यावरण के प्रति सजग होने पर तारीफ की। कहा कि इन दोनों विषयों पर राज्य इतना आगे है कि सीखने की जरूरत नहीं है। समारोह में मुख्यमंत्री ने पूर्व सैनिकों और वीर नारियों को सम्मानित किया। इस दौरान पूर्व सैनिकों को मंच पर बुलाने के बजाय सीएम खुद उनके पास गए। संस्कृति विभाग के कलाकारों ने जहां डाल-डाल पर चिड़ियां... गीत की प्रस्तुति देकर समां बांधा। बीईजी एंड सेंटर रुड़की के पाइप बैंड और सम्मान गार्द ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

इस मौके पर अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, मेयर सुनील उनियाल गामा, विधायक खजानदास, राज्य सैनिक कल्याण विभाग निदेशक ब्रिगेडियर केबी चंद, जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल डीके कौशिक, ब्रिगेडियर पीपीएस पहावा, ब्रिगेडियर केजी बहल, ब्रिगेडियर एएन बहुगुणा, मकानी नेगी भंडारी आदि मौजूद रहे। समारोह में ईएमई कोर संगठन के रिटायर जवानों को नहीं बुलाए जाने पर संगठन के संस्थापक आरएम असवाल ने आक्रोश जताया है। उन्होंने कहा कि जिला सैनिक कल्याण विभाग कुछ ही संगठनों को बुलाता है। जबकि सभी को इसकी सूचना भेजी जानी चाहिए।

विजय दिवस पर सोमवार को गांधी पार्क में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें बड़ी संख्या में पूर्व सैनिक मौजूद रहे। • हिन्दुस्तान

मुख्यमंत्री बोले, टेबल पर हारे युद्ध

विजय दिवस समारोह में सीएम ने कहा कि युद्ध क्षेत्र में कभी हमारी सेना पीछे नहीं रही। अगर कहीं सेना की हार हुई तो वह टेबल पर हुई कमियों के चलते झेलनी पड़ी। समारोह के बाद मीडिया कर्मियों के सवाल पर मुख्यमंत्री ने नागरिकता संशोधन कानून पर माहौल खराब करने वालों को चेताया। उन्होंने कहा कि नागरिकता कानून किसी की नागरिकता लेने के लिए नहीं, बल्कि देने के लिए है। उधर, मूलरूप से कौशानी निवासी रिटायर नेवी के वाइस एडमिरल एचसीएस बिष्ट ने युद्ध के दौरान नेवी की भूमिका बताई। विजय दिवस समारोह में एमकेपीके 40 एनसीसी कैडेटों ने एनसीसी अधिकारी विनीता खर्कवाल के नेतृत्व में प्रतिभाग किया। आयोजन के दौरान एनसीसी ग्रुप को सम्मानित भी किया गया। पेंटिंग प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को भी सम्मानित किया गया।

चार शहीदों के आश्रितों को मिली नौकरी

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने शहीद सैनिकों के सम्मान में देश में अलग पहल की है। सेना से शहीद के आश्रितों को राज्य में उनकी योग्यता के अनुसार नौकरी दी जा रही है। उन्होंने बताया कि हाल में इसके तहत चार लोगों को नौकरी दी जा चुकी है। 12 को जल्द ही नौकरी मिलेगी। मुख्यमंत्री ने मेजर विभूति शंकर ढौंढियाल के परिजनों का नाम लिए बिना उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि शहादत के बाद वह मौके पर जाकर भावुक हो गए थे, लेकिन परिवार का हौसला देखते ही बनता था। समारोह में मुख्यमंत्री ने ले. जनरल ओपी कौशिक को भी याद किया। कहा कि वह सैनिकों के समारोह में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने के साथ ही सैनिकों का हौसला बढ़ाते थे। बता दें कि ले. जनरल ओपी कौशिक का कुछ दिन पहले निधन हुआ था।

Scanned by CamScanner